Department of Hindi

Program specific outcome in Hindi For the students Interested in Hindi Subject can do the job in the following areas.

Post Graduate

1) Poet - lyrics and song in Film Industries
2) Writer- Dialouge and Script writer in film industries.
3) Journalism- a).News Anchor b).News Reader
4) Mass Communication in Hindi Broadcasting.
5) Secondary School Teacher.
6) Civil Service Administration.
7) Translator in various Department.

Post Graduate

1) Lecturers and Professors in Colleges and Universities.
2) Hindi Knowing Library Staff in Colleges and Universities.
3) Publisher of Book.
4) Editor of a Print and Electronic Media.
5) Editor of News paper and Journal Magazines etc.
6) School Inspector (S.I).
7) Director of Public instructor.

Semester wise Paper name and Out Comes of Hindi Honors (P.G.)

1st Semester

MAHINDC101- हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल	यह पेपर हिंदी साहित्य के इतिहस की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये, यूपीएससी, नेट, सेट की परीक्षा तथा एसएससी, सीएससी और सभी तरह के हिंदी शिक्षण के नौकरी से सम्बंधित है।
MAHINDC102- भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास	हिंदी भाषा के वैज्ञानिक विकास की जानकारी देता है। यह जानकारी शिक्षक की नौकरी, अनुवादक, प्रूफ रीडर तथा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के लिये जरुरी है।
MAHINDC103- आदिकालीन एवं पूर्व मध्यकालीन	यह पेपर मध्यकाल के साहित्य की विशेषता बतलाता है। यह जानकारी छात्रों के लिये जरुरी है।
MAHINDC104- रीतिकालीन काव्य	यह पेपर मध्यकाल के रीति साहित्य की विशेषता बतलाता है। यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC105- हिंदी कहानी	यह पेपर हिंदी कहानी की विशेषता बतलाता है। यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।

2nd Semester

MAHINDC201- हिंदी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल	आधुनिक काल, यह पेपर हिंदी साहित्य के इतिहस की जानकारी देता है यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये, यूपीएससी, नेट, सेट की परीक्षा तथा एसएससी, सीएससी और सभी तरह के हिंदी शिक्षण के नौकरी से सम्बंधित है।
MAHINDC202- आधुनिक काव्य (दिनकर तक)	पेपर हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण कवियों की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC203- राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी	यह पेपर राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के इतिहस और उसकी जरुरत की जानकारी देता है ।यह जानकारी राजभाषा अधिकरी की नौकरी के लिये, अनुवादक, प्रूफ रीडर तथा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के लिये जरुरी है।
MAHINDC204- भारतीय काव्यशास्त्र	यह पेपर हिंदी साहित्य के भारतीय कव्य की शास्त्रीय परम्परा की जानकारी देता है ।यह जानकारी जीवन के लिये जरुरी है।
MAHINDMJE201 - दलित साहित्य	यह पेपर हिंदी साहित्य में दलित विमर्श की महत्वपूर्ण जानकारी देता है ।यह जानकारी समाजिक विकार को जानने और समझने

	के लिये जरुरी है साथ ही साथ जहां दलित अध्धयन है,वहां नौकरी की सम्भावना काफी है।
MAHINDMJE202 - स्त्री साहित्य	यह पेपर हिंदी साहित्य में स्त्रियों की उपस्थिति और उनके साहित्य की महत्वपूर्ण जानकारी देता है ।यह जानकारी स्त्रियों की समाजिक स्थिति को जानने में मदद करता है साथ ही साथ जहां स्त्री अध्धयन है,वहां नौकरी की सम्भावना काफी है।
MAHINDMIE206 - जनमाध्यम	यह पेपर जनमाध्यम के सारे महत्वपूर्ण क्षेत्रों यथा समाचार पत्रों और इलेक्त्रनिक मिडिया की जानकारी देता है ।यह जानकारी समाचार पत्रों में पत्रकार और जनमाध्यम में शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।

3rd Semester

MAHINDC301 - छायावादोत्तर काव्य	यह पेपर हिंदी साहित्य के 1936 ई के बाद के महत्वपूर्ण. कवियों की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की
MAHINDC302 - पाश्चात्य काव्यशास्त्र	यह पेपर पाश्चात्य काव्य के शास्त्रिय पक्ष की महत्वपूर्ण जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC303 - हिंदी नाटक	यह पेपर हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण नाटकों की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी और नाटकों में काम करने के लिये जरुरी है
MAHINDC304 - लघु शोध प्रबंध	यह पेपर लघु शोध कैसे करें की जानकारी देता है ।यह जानकारी आगे के अध्धयन के लिये जरुरी है,खासकर एम और .फिल. के लिये। .फिल.तथा डी.डी.एच.पी
MAHIN305 - तुलनात्मक साहित्य	यह पेपर दो या अधिक भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्धयन की जानकारी देता है ।यह जानकारी अनुवादक, पत्रिकओंसम-ाचार पत्रों में अनुवादक तथा शिक्षक की नौकरी और अन्य भाषा के साहित्य के लिये जरुरी है।
MAHINDMJE301 - शोध प्रविधि	यह शोध की जानकारी देनेवाला पेपर है ।यह उच्च अध्धयन से जोडने एवं आगे ले जाने का कार्य करता है।
MAHINDMJE302 - गद्य साहित्य के विविध रूप	पेपर हिंदी साहित्य के गद्य के विविध रुपों की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।

4th Semester

MAHINDC401 - हिंदी उपन्यास	यह पेपर हिंदी उपन्यास की अद्यतन जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC402 - हिन्दी आलोचना	यह पेपर हिंदी आलोचना की अद्यतन जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC403 - हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	यह पेपर हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के विस्त्रित इतिहस की जानकारी देता है ।यह जानकारी शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC404 - राहुल सांकृत्यायन	यह स्पेसल पेपर है जो –हिंदी के महान साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन के बारे में विस्त्रित जानकारी देता है ।यह जानकारी हमारे पुरोधाओं और शिक्षक की नौकरी के लिये जरुरी है।
MAHINDC405 - मौखिकी परीक्षा	यह पेपर छात्रों को साक्षात्कार कैसे दे की जानकारी देता है ।यह जानकारी सभी प्रकार की नौकरी के लिये जरुरी है

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

Asansol, West Bengal, India

Syllabus for the

M. A. Programme in Hindi

(To be effective from the academic session 2016-2018)

Principle/Formula/Rule	
1 Lecture of 1hour per week x(14-16 weeks)= 1 credit	Generally Credit requirement for a PG Programme : 80-100 Credit points
1 Lecture of 1hour=2 Tutorial/Practical/Remedial Coaching	Minimum number of Learning Hour per Course of 5 Credit (50 marks): 84 (L: 56 & T/P/R: 28)
Credit distribution: Core Course : (5x16=) **80** Credit + **Major Elective :** (5x2=)**10** Credit + **Minor Elective** (5x2=) **10** credit. **Grand Total : 100 Credit=1000 Marks**	Per Course Continuous Assessment: 10 marks and Semester-end Examination: 40 marks
Each paper shall have a nomenclature and *alpha-numeric* code	There shall be at least one Minor Elective, one Project work (of minimum 3000 words to be submitted in typed and bound form) and one Grand Viva on the entire PG Programme in HINDI: Each of 5 Credit Points

Name of the PG Programme : M. A . in Hindi

Name of the Subject: Hindi

ABSTRACT

Level	Course No.	Course Type	Course Code	Course Title	Learning Hour distribution per week L: T: P	Credit Points	Marks
MA Semester-I	101	Core Course	MAHINDC 101	हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल	5 - 0 - 0	5	50
	102	Core Course	MAHINDC 102	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास	5 - 0 - 0	5	50
	103	Core Course	MAHINDC 103	आदिकालीन एवं पूर्व मध्यकालीन	5 - 0 - 0	5	50
	104	Core Course	MAHINDC 104	रीतिकालीन काव्य	5 - 0 - 0	5	50
	105	Core Course	MAHINDC 105	हिंदी कहानी	5 - 0 - 0	5	50

Kazi nazrul university

Asansol, West Bengal, India

Syllabus in details for the

Master of Arts (M. A.) Programme in Hindi

(To be effective from the academic session 2016-2018)

MA **SEMISTER-I** Full Marks: 250 Full Credit Points: 25	**MAHINDC101**	**हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: साहित्येतिहास का अर्थ और प्रयोजन, साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा तथा साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। आदिकालः ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा प्रवृत्तियाँ। सिद्ध, नाथ,जैन तथा रासो साहित्य: प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। पूर्व मध्यकाल- भक्ति आन्दोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण और सगुण धाराएँ : वैशिष्टय और प्रमुख कवियों का योगदान। उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा। रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ : (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), श्रृंगारेत्तर काव्य, रीतिकाव्य में लोक जीवन।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ हिन्दी साहित्य का इतिहास- आदिकाल, मध्यकाल :- 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी। 3. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे 4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 6. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 7. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे,		

		8. हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन : जगदीश्वर चतुर्वेदी 8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद - 1 9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा 10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (समस्त खण्ड) : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त 11. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (16 खण्ड) : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 12. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा		
	MAHINDC102	**भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: भाषा : परिभाषा, भाषा के विविध रूप। भाषा- विज्ञान के अध्ययन की विविध पद्धतियाँ। स्वन विज्ञान,स्वनिम विज्ञान और शैली विज्ञान। रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान। हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : अपभ्रंश(अवहट्ट) और पुरानी हिन्दी का सम्बंध । काव्यभाषा के रूप में अवधी और ब्रजभाषा का उदय और विकास। हिंदी की बोलियाँ,वर्गीकरण तथा क्षेत्र। साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ीबोली का उद्भव और विकास, हिन्दी-उर्दू रूपों का सम्बन्ध। ईस्ट इंडिया कम्पनी की भाषा नीति। हिन्दी भाषा का मानकीकरण, हिन्दी जाति की अवधारणा।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ 1. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा 2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी 3. आधुनिक भाषा विज्ञान : देवेन्द्रनाथ शर्मा 4. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा 5. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा 6. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी 7. हिन्दी भाषा : रूप, उद्भव और विकास : हरदेव बाहरी 8. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी 9. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र : कपिलदेव द्विवेदी		

		10. तुलनात्मक भाषा शास्त्र : मंगलदेव शास्त्री 11. भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 12. लैनर्ड ब्यूमफील्ड : भाषा (अनुवाद)		
	MAHINDC103	**आदिकालीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics : आदिकालीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य चन्दबरदाई : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध) कबीर कबीर ग्रंथावली : सं. श्याम सुन्दर दास (आरंभ से बीस साखियाँ एवं पाँच पद) पद संख्या : 1. दुलहनीं गावहु मंगलाचार, 11. एक अचंभा देखा रे भाई, 64- काहे रे नलनीं तूँ कुम्मिलांनीं, 113. मैं गुलाँम मोहि बेचि गुसाँई, 159.पंडित होइ सु पदहि बिचारे। जायसी:पद्मावत-सं०वासुदेवशरण अग्रवाल, (पद्मावती वियोग खंड) तुलसी : रामचरितमानस (गीताप्रेस- गोरखपुर), उत्तरकाण्ड (दोहा 20 से 30, 36 से 41 तथा 97 से 103 तक, चौपाई सहित) सूरदास : भ्रमरगीत सार- सं० रामचन्द्र शुक्ल- (पद संख्या 25 से 35 तक) मीरा : मीरा का काव्य, सं० विश्वनाथ त्रिपाठी (आरंभ से 10 पद)		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ 1. पृथ्वीराज रासो : इतिहास और काव्य : राजमल बोरा 2. जायसी : विजय देव नारायण शाही 3. जायसी : सं. वासुदेव शरण अग्रवाल		

		4. चन्द बरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी त्रिवेदी, हिन्दुस्तानी एकाडेमी, इलाहाबाद। 5. जायसी ग्रंथावली की भूमिका : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 6. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी 7. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल 8. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी 9. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह 10. केशव और उनका साहित्य : विजयपाल सिंह 11. त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल 12. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना 13. भक्तिकाव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र 14. सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी 15. मीराबाई : श्रीकृष्ण लाल 16. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी		
	MAHINDC104	**रीतिकालीन काव्य**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: केशवदास : रामचन्द्रिका- सं० विजयपाल सिंह, अंगद- रावण संवाद बिहारी : बिहारी रत्नाकर- प्रथम 20 (बीस) दोहे घनानंद : घनानंद कवित्त – सं०विश्वनाथ प्रसाद मिश्र-आरम्भ से 15 पद। भूषण : शिवा बावनी –प्रथम 10 पद जगन्नाथ दास रत्नाकर : उद्धवशतक - प्रथम 15 कवित्त		

		Recommended Texts: : संदर्भ ग्रंथ 1. केशव दास और उनका साहित्य : विजयपाल सिंह 2. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 3. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़ 4. रीति स्वच्छन्द काव्यधारा : कृष्णचन्द्र वर्मा 5. महाकवि भूषण : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 6. केशव दास और उनका काव्य : जनेश्वर वर्मा 7. रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र		
	MAHINDC105	**हिंदी कहानी**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: चन्द्र धर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था यशपाल : फूलो का कुर्ता निर्मल वर्मा : परिंदे मोहन राकेश : परमात्मा का कुत्ता कृष्णा सोबती : सिक्का बदल गया ज्ञानरंजन : सम्बन्ध उदय प्रकाश : तिरिछ शेखर जोशी : आदमी का डर ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम सुधा अरोड़ा : महानगर की मैथिली		
		Recommended Texts : संदर्भ ग्रंथ		

		1. हिन्दी कहानी: उद्भव और विकास: सुरेश सिन्हा 2. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह 3. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति: देवीशंकर अवस्थी 4. समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह 5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश 6. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी 7.हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत 8. एक दुनिया समानान्तर : राजेन्द्र यादव 9. नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर 10. वर्तमान साहित्य, संयुक्तांक 1-2, शताब्दी कथा विशेषांक : पुष्पपाल सिंह

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

Asansol, West Bengal, India

Syllabus for the

M. A. Programme in Hindi

(To be effective from the academic **session 2019-2021**)

Principle/Formula/Rule

1 Lecture of 1hour per week x(14-16 weeks)= 1 credit	Generally Credit requirement for a PG Programme : 80-100 Credit points
1 Lecture of 1hour=2 Tutorial/Practical/Remedial Coaching	Minimum number of Learning Hour per Course of 5 Credit (50 marks): 84 (L: 56 & T/P/R: 28)
Credit distribution: Core Course : (5x16) = **80** Credit + **Major Elective :** (5x4=)**20** Credit + **Minor Elective** (5x2=) **10** credit. **Grand Total : 110 Credit=1100 Marks**	Per Course Continuous Assessment: 10 marks and Semester-end Examination: 40 marks
Each paper shall have a nomenclature and *alpha-numeric* code	There shall be at least one Minor Elective, one Project work (of minimum 3000 words to be submitted in typed and bound form) and one Grand Viva on the entire PG Programme in HINDI : Each of 5 Credit Points

Name of the PG Programme : M. A . in Hindi

Name of the Subject: Hindi

ABSTRACT

Level	Course No.	Course Type	Course Code	Course Title	Learning Hour distribution per week L: T: P	Credit Points	Marks
MA Semester-II	201	Core Course	MAHINDC201	हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	5 - 0 - 0	5	50
	202	Core Course	MAHINDC202	आधुनिक काव्य : दिनकर तक	5 - 0 - 0	5	50
	203	Core Course	MAHINDC203	राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी	5 - 0 - 0	5	50

	204	Core Course	MAHINDC204	भारतीय काव्यशास्त्र	5 - 0 - 0	5	50
	205	Core Course	MAHINDC205	राहुल सांकृत्यायन	5 - 0 - 0	5	50
	206	Minor Elective	MAHINDMIE 201	जनमाध्यम	4 - 0 - 0	4	50

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

Asansol, West Bengal, India

Syllabus in details for the

Master of Arts (M. A.) Programme in Hindi

(To be effective from the academic session 2016-2018)

MA SEMISTER-II Full Marks: 250 Full Credit Points: 25	**MAHINDC201**	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: आधुनिक काल की अवधारणा, नवजागरण की अवधारणा, नवजागरण की परम्परा , भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनका मंडल- साहित्यिक योगदान, महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा, काव्यभाषा के रूप में खड़ीबोली। स्वच्छन्दतावाद, छायावाद,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नयीकविता, समकालीन कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ। नई कहानी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ। स्त्री साहित्य, दलित साहित्य एवं आदिवासी साहित्य का स्वरूप।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ – **1.** हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास **:** बच्चन सिंह **2.** स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास **:** विष्णुसागर वाष्णेय **3.** हिन्दी साहित्य का इतिहास **:** सं० नगेन्द्र **4.** आधुनिक साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **:** नामवर सिंह **5.** उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श **:** सुधीश पचौरी		

		7. आधुनिकताबोध और आधुनिकीकरण : रमेश कुन्तल मेघ **8.** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा **9.** महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा **10.** हिन्दी गद्य : स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी **11.** हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी		
	MAHINDC 202	आधुनिक काव्य : दिनकर तक	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, इड़ा एवं आनन्द सर्ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा सुमित्रानन्दन पंत : नौका विहार, परिवर्तन महादेवी वर्मा : जीवन विरह का जलजात, मैं नीर भरी दुःख की बदली, सब आँखों के आँसू उजले। दिनकर : उर्वशी (तृतीय सर्ग)		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ 1. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर **2.** दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ० पन्ना **3.** युगचारण दिनकर : सावित्री सिन्हा **4.** अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी **5.** हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना **6.** महादेवी वर्मा : गंगाप्रसाद विमल **7.** सुमित्रानन्दन पंत : डॉ० नगेन्द्र **8.** कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध **9.** महादेवी : परमानन्द श्रीवास्तव		

		10 शताब्दी के अंत में कविता – मुक्तेश्वरनाथ तिवारी		
	MAHINDC 203	राजभाषा और प्रयोजनमूलक हिंदी	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics : राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम -अनुच्छेद 343 से **351** तक, राजभाषा अधिनियम-**1963** (यथा संशोधित **1967),** राजभाषा नियम – 1976 । हिन्दी के विविध रूप- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, बोली और मानक भाषा। राजभाषा हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली की समस्याएँ और समाधान। नागरी लिपि : नामकरण, उद्भव और विकास, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और उसका मानकीकरण। प्रयोजनमूलक हिन्दी - पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रेस विज्ञप्ति।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ **1.** प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे **2.** प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झालटे **3.** राजभाषा हिन्दी : प्रकाशन विभाग, भारत सरकार **4.** नागरी लिपि : लिपि और वर्तनी : अनन्त चौधरी **5.** नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : नरेश शर्मा **6.** व्यावहारिक हिन्दी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव **7.** राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान : देवेन्द्रनाथ शर्मा **8.** हिन्दी आलोचना और टिप्पणि : ओमप्रकाश शर्मा **9.** राजभाषा हिन्दी : भोलानाथ तिवारी		
	MAHINDC 204	भारतीय काव्यशास्त्र	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, रस निष्पत्ति, प्रमुख रसवादी आचार्यों की अवधारणाएँ। अलंकार सिद्धान्त : प्रमुख अलंकारवादी आचार्यों की अवधारणाएँ, अलंकार और अलंकार्य,अलंकार का महत्त्व।		

		वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद। ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनिकाव्य का वर्गीकरण। रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, प्रमुख आचार्यों की मान्यताएँ , रीति के भेद, रीति और शैली।		
		Recommended Text : संदर्भ ग्रंथ **1.** भारतीय काव्याशास्त्र : सत्यदेव चौधरी **2.** रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल **3.** भारतीय साहित्यशास्त्र (दोनो भाग) : बलदेव उपाध्याय **4.** रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र **5.** काव्याशास्त्र : भगीरथ मिश्र **6.** रस सिद्धान्त : नगेन्द्र **7.** ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त : भोलाशंकर व्यास **8.** भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपांडे		
	MAHIND C205	**राहुल सांकृत्यायन**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: **वोल्गा से गंगा (कहानी संग्रह) :-** **(क)** दुर्मुख **(ख)** सुरैय्या **(ग)** मंगल सिंह **(घ)** सुमेर		

		घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा वृत्तांत):- **(क)** अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा **(ख)** स्त्री घुमक्कड़ **(ग)** धर्म और घुमक्कड़ **(घ)** प्रेम **भागो नहीं (दुनिया को) बदलो (निबंध संग्रह) :-** **(क)** दुनिया क्यों नरक है **(ख)**हिंदुस्तान की आजादी **(ग)** औरत की जाति **(घ)** ग्यान की भाखा
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ 1. वोल्गा से गंगा (कहानी संग्रह) : राहुल सांकृत्यायन 2. भागो नहीं (दुनिया को) बदलो - राहुल सांकृत्यायन 3. घुमक्कड़ शास्त्र - राहुल सांकृत्यायन 4. राहुल सांकृत्यायन और प्रगतिशील साहित्य - कैलाश देवी सिंह 5. राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष - उर्मिलेश 6. महापण्डित राहुल : समग्र मूल्यांकन - वीरेंद्र सिंह 7. राहुल- चिंतन - गुणाकर मुले 8. योद्धा महापण्डित राहुल सांकृत्यायन - उर्मिलेश 9. स्वयंभू महापंडित - गुणाकर मुले

MAHINDMIE 201	जनमाध्यम	**4 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
	Suggested Topics: स्वाधीनता आन्दोलनकालीन पत्रकारिता एवं स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ। लघुपत्रिका , पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता और साहित्यिक पत्रकारिता। समाचार : परिभाषा, मूलतत्त्व, समाचार- लेखन। जनतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता। टेलीविजन : सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ। सिनेमा : सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ। इंटरनेट : उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ। फेसबुक : उपलब्धियाँ और सीमाएँ। विज्ञापन : लेखन और प्रभाव।		
	Recommended Text : संदर्भ ग्रंथ 1. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और सन्दर्भ : विनोद गोदरे 2. समाचार, फीचर लेखन और सम्पादन कला : हरिमोहन 3. पत्रकारिता सन्दर्भकोश : सूर्याकान्त दीक्षित 4. पत्रकारिता के विविध आयाम : रामचन्द्र तिवारी 5. समाचार संकलन और लेखन : नन्दकिशोर त्रिखा 6. हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द्र सुमन 7. समाचार और प्रारूप लेखन : सुभाष धूलिया 8. राष्ट्रीय नवजागरण-हिन्दी पत्रकारिता : मीरा रानी बल 9. आधुनिक पत्रकार कला : विष्णुदत्त शुक्ल 10. सूचना का अधिकार : सं० हरिवंश 11. आधुनिक पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी 12.. मीडिया समग्र (11 खण्ड) : जगदीश्वर चतुर्वेदी		

KAZI NAZRUL UNIVERSITY
Asansol, West Bengal, India

Syllabus for the
M. A. Programme in Hindi
(To be effective from the academic session 2016-2018)

Principle/Formula/Rule	
1 Lecture of 1hour per week x(14-16 weeks)= 1 credit	Generally Credit requirement for a PG Programme : 80-100 Credit points
1 Lecture of 1hour=2 Tutorial/Practical/Remedial Coaching	Minimum number of Learning Hour per Course of 5 Credit (50 marks): 84 (L: 56 & T/P/R: 28)
Credit distribution: Core Course : (5x16) = **80** Credit + **Major Elective :** (5x4=)**20** Credit + **Minor Elective** (5x2=) **10** credit. **Grand Total : 110 Credit=1100 Marks**	Per Course Continuous Assessment: 10 marks and Semester-end Examination: 40 marks
Each paper shall have a nomenclature and *alpha-numeric* code	There shall be at least one Minor Elective, one Project work (of minimum 3000 words to be submitted in typed and bound form) and one Grand Viva on the entire PG Programme in Philosophy : Each of 5 Credit Points

Name of the PG Programme : M. A . in Hindi

Name of the Subject: Hindi

ABSTRACT

Level	Course No.	Course Type	Course Code	Course Title	Learning Hour distribution per week L: T: P	Credit Points	Marks
MA Semester-III	301	Core Course	MAHINDC 301	छायावादोत्तर काव्य	5 - 0 - 0	5	50
	302	Core Course	MAHINDC 302	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5 - 0 - 0	5	50
	303	Core Course	MAHINDC 303	हिंदी नाटक	5 - 0 - 0	5	50
	304	Core Course	MAHINDC 304	लघु शोध प्रबंध	2 - 0 - 6	5	50
	MJE301	Major Elective	MAHINDMJE301	तुलनात्मक साहित्य	5 - 0 - 0	5	50
	MJE302	Major Elective	MAHINDMJE302	शोध प्रविधि	5 - 0 - 0	5	50
	MIE301	Minor Elective	MAHINDMIE301	गद्य साहित्य के विविध रूप	4 - 0 - 0	4	50

<table>
<tr><td rowspan="4">MA
SEMISTER-111
Full Marks: 250
Full Credit Points: 25</td><td>MAHINDC 301</td><td>छायावादोत्तर काव्य</td><td>5 Credit</td><td>50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Topics:
अज्ञेय- असाध्य वीणा।
मुक्तिबोध – अँधेरे में
नागार्जुन - सिंदूर तिलकित भाल, बादल को घिरते देखा है , मन्त्र ,घिन तो नहीं आती है।
धूमिल – पटकथा।
शमशेर – प्रेम,बात बोलेगी,अमन का राग,तुमने मुझे।
रघुवीर सहाय – पढ़िये गीता, हँसो हँसो जल्दी हँसो,पानी-पानी,टेलीविजन</td></tr>
<tr><td colspan="3">Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ
1. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
2. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
3. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. नागार्जुन का कविता : अजय तिवारी
5. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
6. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : हुकुमचन्द राजपाल
7. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
8. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अड़गड़े
9. रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
10. रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन – मीनाक्षी
11. रचनाओं के बहाने : एक संस्मरण – मनोहर श्याम जोशी
12. समकालीन कविता और धूमिल : मंजुल उपाध्याय
13. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. कविता का देशकाल : मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
15. कविता का समकालीन प्रमेय : अरुण होता</td></tr>
<tr><td>MAHINDC 302</td><td>पाश्चात्य काव्यशास्त्र</td><td>5 Credit</td><td>50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]</td></tr>
</table>

		Suggested Topics: प्लेटो : काव्य सम्बन्धी विचार। अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त। लांजाइनस : उदात्त सिद्धान्त मैथ्यू आर्नाल्ड :काव्य सम्बन्धी अवधारणा। क्रोचे का अभिव्यंजनावाद। टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत। आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य और संप्रेषण सिद्धान्त। नई समीक्षा: प्रमुख प्रवृत्तियाँ। **टिप्पणी** – मार्क्सवाद, रूपवाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद,विखण्डनवाद।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ 1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सावित्री सिन्हा 2.पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : शांतिस्वरूप गुप्ता 3.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा 4.पाश्चात्य साहित्य चिन्तन : निर्मला जैन 5.लिटरेरी क्रिटिसिज्म : जार्ज वॉटसन 6.पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : निर्मला जैन एवं डॉ० कुसुम बाँठिया 7.नयी समीक्षा के प्रतिमान : निर्मला जैन (संपा०) 8.पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद : नगेन्द्र (संपा०) 9.हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल		
	MAHINDC 303	**हिंदी नाटक**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: **अँधेर नगरी**- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र **ध्रुवस्वामिनी** – जयशंकर प्रसाद		

		आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश **अंधा युग** – धर्मवीर भारती **औरत** - सफदर हाशमी		
		Recommended Texts: : संदर्भ ग्रंथ 1. एकांकी और एकांकीकार : रामचरण महेन्द्र 2. आधुनिक नाटक का अग्रदुत- मोहन राकेश : गोविन्द चातक 3. हिन्दी एकांकी शिल्पविधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार 4. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सत्येन्द्र तनेजा 5. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : धनंजय 6. पश्यंती : धर्मवीर भारती 7. कविता के प्रति संसार : निर्मला जैन 8. समानांतर : रमेशचन्द्र शाह 9. अन्धा युग : पाठ और प्रदर्शन : जयदेव तनेजा 10. धर्मवीर भारती ग्रंथावली : संपा० चन्द्रकांत बांदिवडेकर (भूमिका)		
	MAHINDC 304	**लघु शोध प्रबंध**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: साहित्य की विविध विधाओं, युग विशेष एवं साहित्य के विविध पक्षों पर आधारित लगभग 5000 (पाँच हजार) शब्दों में एक लघु शोध प्रबंध लिखने के लिए इस पत्र में प्रावधान होगा। इसका पूर्णांक 40 होगा। 10 अंक मौखिक परीक्षा के लिए होंगे। (छात्रों के लिए विभाग की ओर से बीच -बीच में साहित्यिक यात्रा का प्रावधान किया जा सकता है।)		
	MAHINDM JE301	**तुलनात्मक साहित्य**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics :		

		तुलनात्मक साहित्य : अवधारणा, महत्त्व , सामान्य प्रविधियाँ एवं समस्याएँ। भारतीय साहित्य की अवधारणा, विश्व साहित्य की अवधारणा। हिन्दी और बांग्ला साहित्य के बदलते आयाम, सामान्य प्रवृत्तिगत परिचय। हिन्दी एवं बांग्ला के मध्ययुग और आधुनिक युग के प्रमुख रचनाकार एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ।
	---------- MAHINDMJE302	**Recommended Texts:** संदर्भ ग्रंथ 1. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधरी 2. तुलनात्मक साहित्य : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर 3. तुलनात्मक साहित्य : सं० नगेन्द्र 4. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ राजमल बोरा 5.तुलनात्मक साहित्य : हिंदी और उड़िया के परिप्रेक्ष्य में – अरुण होता 6.तुलनात्मक साहित्य : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य – संपादित हनुमानप्रसाद शुक्ल --- **शोध प्रविधि** **5 Credit** **50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]** --- ईकाई – 1 शोध की वैज्ञानिक दृष्टि इकाई – 2 तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण इकाई – 3 उद्धरण और संदर्भ ,सहायक ग्रंथ सूची का निर्माण इकाई – 4 विषय का वर्गीकरण और रूपरेखा की रचना इकाइ – 5 विषय निर्वाचन,शोध कार्य का विभाजन **Recommended Texts:** संदर्भ ग्रंथ सावित्री सिन्हा – अनुसंधान का स्वरूप

		दुर्गादास काशीनाथ सिंह – शोध विज्ञान कोश सावित्री सिन्हा और विजयेंद्र स्नातक (संपादक) – अनुसंधान की प्रक्रिया C.R.Kothaari – Research Methodology W.B.Barbridge – The art of Scientific Research W.A. Boggleg facts – How to find them T. Hallaway – Introduction to Research Ralph Conhen (Edited) – New Directions in Literary History 1974 Rene Walleck – Discrimination 1970, Delhi विजयपाल सिंह – हिंदी अनुसंधान एस. एन. गणेशन – अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत

MAHINDMIE 301	गद्य साहित्य के विविध रूप	**4 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
	Suggested Topics: कहानी : चीफ की दावत (भीष्म साहनी) , तुमने क्यों कहा था मैं सुंदर हूँ (यशपाल) उपन्यास : महाभोज (मन्नू भंडारी) , ऐ लड़की (कृष्ण सोबती) एकांकी : सूखी डाली -(उपेंद्रनाथ अश्क), संस्कार और भावना (डॉ विष्णु प्रभाकर) व्यंग्य : दो नाक वाले लोग (हरिशंकर परसाई) ,आवारा भीड़ के खतरे (हरिशंकर परसाई)		
	Recommended Text : संदर्भ ग्रंथ 1. हिंदी उपन्यास का इतिहस – गोपाल राय 2. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश 3. हिंदी उपन्यास : एक नयी दृष्टि – इंद्रनाथ मदान 4. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश 5. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय 6. हिंदी कहनी : पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान 7. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार – सुरेशकांत		

	8. हिंदी एकांकी – सिद्धनाथ कुमार 9. उपेंद्रनाथ अश्क के एकांकी कथ्य और शिल्प – डॉ रामेश्वर शाहु 10. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा 11.साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ0 हरिमोहन 12.आँखन देखी (हरिशंकर परिसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि 13.हरिशंकर परिसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि 14.हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य की विचार – सुरेश कांत

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

Asansol, West Bengal, India

Syllabus for the

M. A. Programme in Hindi

(To be effective from the academic **session 2019-2021**)

Principle/Formula/Rule	
1 Lecture of 1hour per week x(14-16 weeks)= 1 credit	Generally Credit requirement for a PG Programme : 80-100 Credit points
1 Lecture of 1hour=2 Tutorial/Practical/Remedial Coaching	Minimum number of Learning Hour per Course of 5 Credit (50 marks): 84 (L: 56 & T/P/R: 28)
	Per Course Continuous Assessment: 10 marks and Semester-end Examination: 40 marks

Credit distribution: Core Course : (5x16=) **80** Credit + **Major Elective :** (5x2=)**10** Credit + **Minor Elective** (5x2=) **10** credit. **Grand Total : 110 Credit=1100 Marks**	There shall be at least one Minor Elective, one Project work (of minimum 3000 words to be submitted in typed and bound form) and one Grand Viva on the entire PG Programme in HINDI: Each of 5 Credit Points
Each paper shall have a nomenclature and *alpha-numeric* code	

Name of the PG Programme : M. A . in Hindi

Name of the Subject: Hindi

ABSTRACT

Level	Course No.	Course Type	Course Code	Course Title	Learning Hour distribution per week L: T: P	Credit Points	Marks
MA Semester-IV	401	Core Course	MAHINDC401	हिंदी उपन्यास	5 - 0 - 0	5	50
	402	Core Course	MAHINDC402	हिन्दी आलोचना	5 - 0 - 0	5	50
	403	Core Course	MAHINDC403	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	5 - 0 - 0	5	50
	MJE401	Major Elective	MAHINDMJE401	दलित साहित्य	5 - 0 - 0	5	50
	MJE402	Major Elective	MAHINDMJE402	स्त्री साहित्य	5 - 0 - 0	5	50
	404	Core Course	MAHINDC404	मौखिकी परीक्षा	0 - 0 - 4	2	50

KAZI NAZRUL UNIVERSITY
Asansol, West Bengal, India

Syllabus in details for the
Master of Arts (M. A.) Programme in Hindi
(To be effective from the academic session 2016-2018)

<table>
<tr><td rowspan="3">MA
SEMISTER-IV
Full Marks: 250
Full Credit Points: 25</td><td rowspan="3">MAHINDC 401</td><td>हिंदी उपन्यास</td><td>5 Credit</td><td>50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Topics:
गोदान : प्रेमचन्द
शेखर एक जीवनी (दोनों भाग) –अज्ञेय
सावधान नीचे आग है – संजीव
गिलिगडु – चित्रा मुद्गल</td></tr>
<tr><td colspan="3">Recommended Texts : संदर्भ ग्रंथ

1. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा
2. आज का हिन्दी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
4. उपन्यास और लोकजीवन - रैल्फ फॉक्स
5. उपन्यास का उदय - आयन वाट
6. प्रेमचन्द : विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र
7. गोदान : एक नव्य दृष्टि - शैलेश जैदी
9. अठारह उपन्यास - राजेंद्र यादव</td></tr>
</table>

		10. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र 11. उपन्यास : स्थिति और गति - चन्द्रकांत म. बांदिवडेकर		
	MAHINDC402	**हिंदी आलोचना**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics : शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना का स्वरूप और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी। शुक्लयुगीन आलोचना का स्वरूप। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि। हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि । मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि। रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि। आलोचक नामवर सिंह तथा मैनेजर पाण्डेय।		
		Recommended Texts: संदर्भ ग्रंथ **1**.हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल **2**.हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश **3**.हिंदी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी **4**.हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी **5.**आलोचना के बुनियादी सरोकार - कर्णसिंह चौहान 6.हिन्दी आलोचना का वैचारिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल		

		7.हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल **8.**आलोचना 60-61 – रामविलास शर्मा विशेषांक **9.** आलोचना 49-50 – हजारी प्रसाद द्विवेदी विशेषांक 10. नामवर के विमर्श – सुधीश पचौरी (सम्पादक) 11.आलोचना का आत्मसंघर्ष – रविरंजन 12. नामवर सिंह : एक मूल्यांकन – प्रेम भारद्वाज (सम्पादक) 13.आलोचना के रचना पुरुष : नामवर सिंह – भारत यायावर (सम्पादक)		
	MAHINDC403	**हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: चिंतामणि (भाग-1) - रामचन्द्र शुक्ल (भाव या मनोविकार, श्रद्धा-भक्ति, लोभ और प्रीति, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था) कल्पलता - हजारी प्रसाद द्विवेदी (नाखून क्यों बढ़ते हैं ,शिरीष के फूल, मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य ,संस्कृतियों का संगम) **अन्य गद्य विधाएँ** **रेखाचित्र** – भक्तिन , चीनी फेरीवाला , ठकुरी बाबा , गुंगिया। **व्यंग्य** - वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई (वैष्णव की फिसलन, अकाल उत्सव, राजनीति का बँटवारा, कबीर समारोह क्यों नहीं) **इंटरव्यू** (सम्मुख खंड - 1) – नामवर सिंह		
		Recommended Texts: : संदर्भ ग्रंथ 1. हिन्दी गद्यकाव्य - पद्यसिंह शर्मा 'कमलेश' 2. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी गद्य में व्यंग्य - हरिशंकर दूबे 3. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ - बैजनाथ सिंहल 4. हिन्दी के रेखाचित्र - मक्खनलाल शर्मा 5. हिन्दी गद्य : स्वरूप और संवेदना - रामस्वरूप चतुर्वेदी 6. चिंतामणि (भाग -1) मीमांसा – राजमल बोरा		

		7. स्मृति की रेखाएँ - महादेवी वर्मा

	MAHINDMJE 401	दलित साहित्य	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
		Suggested Topics: जाति, वर्ण और सुधार आंदोलन, दलित आन्दोलन एवं दलित साहित्य का अंत:सम्बन्ध। मुर्दहिया (आत्मकथा) – तुलसीराम कहानियाँ –अपना गाँव (मोहनदास नेमिशराय), नो बार(जयप्रकाशकर्दम),सिलिया(सुशीला टाकभौरे), साजिश (सूरजपाल चौहान) , अस्थियों के अक्षर (श्योराज सिंह बेचैन),फुलवा (रत्न कुमार सांभरिया) कविताएँ – शब्द और ब्रह्म,तुम्हारी जात,भोपाल कांड, शब्दजीवी,नाटक जारी है, शब्द झूठ नहीं बोलते। (शब्द झूठ नहीं बोलते – ओमप्रकाश वाल्मीकि)		
		Recommended Text : संदर्भ ग्रंथ **1.** दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : शरणकुमार लिम्बाले **2.** दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओमप्रकाश बाल्मीकि **3.** दलित विमर्श की भूमिका : कंवल भारती **4.** चिन्तन की परम्परा और दलित साहित्य : श्योराज सिंह बेचैन और देवेन्द्र चौबे **5.** दलित दर्शन : रमणिका गुप्ता **6.** हिन्दी दलित कथासाहित्य अवधारणाएँ : रजत रानी मीनू **7.** दलित लेखन का अन्तर्विरोध : डॉ० रामकली सर्राफ **8.** दलित कहानी संचयन : सं० रमणिका गुप्ता		

MAHINDMJE402	**स्त्री साहित्य**	**5 Credit**	**50 Marks [Minimum Learning Hour : 84 (L: 56 & T: 28)]**
	Suggested Topics: पितृसत्ता और विचारधारा, स्त्रीवादी साहित्य सैद्धांतिकी के विविध रूप **निबंध** - महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियाँ **उपन्यास** - मैत्रेयी पुष्पा : इदन्नमम् सुधा चौहान : मिला तेज से तेज प्रभा खेतान : छिन्नमस्ता **कहानियाँ** – दुलाई वाली (राजेंद्रबाला घोष),गौरी (सुभद्राकुमारी चौहान),हरी बिंदी (मृदुला गर्ग), प्रमोशन (चित्रा मुद्गल), परिचय (नमिता सिंह)		
	Recommended Text : संदर्भ ग्रंथ पितृसत्ता और विचारधारा, स्त्रीवादी साहित्य सैद्धांतिकी के विविध रूप **निबंध** - महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियाँ **उपन्यास** - मैत्रेयी पुष्पा : इदन्नमम् सुधा चौहान : मिला तेज से तेज प्रभा खेतान : छिन्नमस्ता **कहानियाँ** – दुलाई वाली (राजेंद्रबाला घोष),गौरी (सुभद्राकुमारी चौहान),हरी बिंदी (मृदुला गर्ग), प्रमोशन (चित्रा मुद्गल), परिचय (नमिता सिंह)		